महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा (महाराष्ट्र)

संस्कृत विभाग, साहित्य विद्यापीठ

एल ओ सी एफ (LOCF) प्रारूप

बी. ए. (संस्कृत) पाठ्यक्रम

सत्र – 2020-2023



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा (महाराष्ट्र)

# कार्यक्रम कोड : बी.ए. संस्कृत

# पाठ्यचर्या अकादमिक सत्र 2020-23

## प्रथम वर्ष

**प्रथम षाण्मासिक** **06 क्रेडिट**

| कोर्स प्रकार | कोर्स कोड (प्रश्न पत्र कोड) | कोर्स का नाम (प्रश्न पत्र का नाम) | कोर्स क्रेडिट | संपर्क कक्षाएँ |
|---|---|---|---|---|
| समूह ख संस्कृत पाठ्यक्रम | BSAN 01 | संस्कृत व्याकरण (परिचयात्मक) | 04 | 60 |
| | BSAN 02 | संस्कृत साहित्य (परिचय एवं इतिहास) | 02 | 30 |

**द्वितीय षाण्मासिक** **06 क्रेडिट**

| कोर्स प्रकार | कोर्स कोड (प्रश्न पत्र कोड) | कोर्स का नाम (प्रश्न पत्र का नाम) | कोर्स क्रेडिट | संपर्क कक्षाएँ |
|---|---|---|---|---|
| समूह ख संस्कृत पाठ्यक्रम | BSAN 03 | संस्कृत साहित्यम् - 1 | 04 | 60 |
| | BSAN 04 | संस्कृत व्याकरणशास्त्र – 1 | 02 | 30 |

## द्वितीय वर्ष

**तृतीय षाण्मासिक** **06 क्रेडिट**

| कोर्स प्रकार | कोर्स कोड (प्रश्न पत्र कोड) | कोर्स का नाम (प्रश्न पत्र का नाम) | कोर्स क्रेडिट | संपर्क कक्षाएँ |
|---|---|---|---|---|
| समूह ख संस्कृत पाठ्यक्रम | BSAN 05 | भारतीयदर्शनम् - I | 04 | 60 |
| | BSAN 06 | संस्कृत व्याकरणशास्त्र II | 02 | 30 |

**चतुर्थ षाण्मासिक** **06 क्रेडिट**

| कोर्स प्रकार | कोर्स कोड (प्रश्न पत्र कोड) | कोर्स का नाम (प्रश्न पत्र का नाम) | कोर्स क्रेडिट | संपर्क कक्षाएँ |
|---|---|---|---|---|
| समूह ख संस्कृत पाठ्यक्रम | BSAN 07 | वैदिकसाहित्यम् - I | 04 | 60 |
| | BSAN 08 | संस्कृत व्याकरणशास् -III | 02 | 30 |

**पंचम षाण्मासिक** **तृतीय वर्ष** **09 क्रेडिट**

| कोर्स प्रकार | कोर्स कोड (प्रश्न पत्र कोड) | कोर्स का नाम (प्रश्न पत्र का नाम) | कोर्स क्रेडिट | संपर्क कक्षाएँ |
|---|---|---|---|---|
| समूह ख संस्कृत पाठ्यक्रम | BSAN 09 | संस्कृत साहित्यम् - II | 04 | 60 |
| | BSAN 10 | भारतीय दर्शनम् - II | 03 | 45 |
| | BSAN 11 | धर्मशास्त्र एवं पुराणेतिहास – 1 | 02 | 30 |

**षष्ठ षाण्मासिक** **09 क्रेडिट**

| कोर्स प्रकार | कोर्स कोड (प्रश्न पत्र कोड) | कोर्स का नाम (प्रश्न पत्र का नाम) | कोर्स क्रेडिट | संपर्क कक्षाएँ |
|---|---|---|---|---|
| समूह ख संस्कृत पाठ्यक्रम | BSAN 12 | वैदिकसाहित्यम् - II | 04 | 60 |
| | BSAN 13 | संस्कृत साहित्यम्- III | 03 | 45 |
| | BSAN 14 | धर्मशास्त्र एवं पुराणेतिहास – 1 | 02 | 30 |

# संस्कृत विभाग, साहित्य विद्यापीठ

## बी.ए. सामान्य (संस्कृत)

## प्रथम सेमेस्टर

## प्रथम पत्र

**1.पाठ्यचर्या का नाम:** संस्कृत व्याकरण (परिचयात्मक)

**(Name of the Course)**

**2.पाठ्यचर्या का कोड:** BSAN 01

**(Code of the Course)**

**3. क्रेडिट: __ 4 __ 4. सेमेस्टर:** प्रथम सेमेस्टर

**(Credit)** **(Semester)**

| घटक | घंटे |
|---|---|
| कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान | 45 |
| ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा | 9+6=15 |
| व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य | ------ |
| कौशल विकास गतिविधियाँ | |
| **कुल क्रेडिट घंटे** | 60 |

**5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :**

प्रस्तुत पाठ्यचर्या संस्कृत संस्कृत व्याकरण (परिचयात्मक) विषय पर आधारित है। यह पाठ्यचर्या शब्दरूप, धातुरूप, अव्यय, प्रत्यय एवं संभाषण ज्ञान तथा संज्ञा प्रकरण सहित निबन्ध लेखन आदि का ज्ञान करवाने में पूर्ण सक्षम है।

**6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :**

पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा ।

- विद्यार्थी शब्दरूप, धातुरूप, अव्यय, प्रत्यय का ज्ञान ग्रहण करेगा
- विद्यार्थी संभाषण के विभिन्न बिन्दुओं की जानकारी प्राप्त करेगा
- पाठक संज्ञा प्रकरण द्वारा सूत्र आदि से परिचित होगा ।

**7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)**

| मॉड्यूल संख्या | विवरण | निर्धारित अवधि (घंटे में) | | | कुल | कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | व्याख्यान | ट्यूटोरियल | संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Int | | |

| | | | (यदि अपेक्षित हैं) | eraction/ Training/ Laboratory) | घंटे | **(Percentage share to the Course)** |
|---|---|---|---|---|---|---|
| अन्विति -1 | **शब्दरूप** धातुरूप, अव्यय, प्रत्यय एवं संभाषण वाक्य | **1**5 | 3 | 2 | 20 | **33.3%** |
| अन्विति -2 | **लघुसिद्धान्त कौमुदी** संज्ञा प्रकरण सन्धि प्रकरण प्रमुख सूत्र | **1**5 | 3 | 2 | 20 | **33.3%** |
| अन्विति -3 | **निबन्ध लेखन** अनुच्छेद लेखन (अनुवाद) अपठित गद्यांश | **1**5 | 3 | 2 | 20 | **33.3%** |
| **योग** | | **45** | **9** | **6** | **60** | **100%** |

**टिप्पणी:**

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

## 8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

## (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

| | |
|---|---|
| **अभिगम** | शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम**,** कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग |

| | |
|---|---|
| **विधियाँ** | व्याख्यान विधि , विवेचनात्मक विधि का प्रयोग |
| **तकनीक** | आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पाठशाला द्वारा शिक्षण<br>श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण |
| **उपादान** | कक्षागत नोटस , आलेख, फोटो कोपी इत्यादि |

## 9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :

## (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

**पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)**

| **पाठ्यक्रम लक्ष्य** | लक्ष्य 1 | लक्ष्य 2 | लक्ष्य 3 | लक्ष्य 4 | लक्ष्य 5 | लक्ष्य 6 | लक्ष्य 7 | लक्ष्य 8 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति | √ | √ | - | - | - | - | - | - |
| | | | | | | | | |

**टिप्पणी:**

1. **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

## 10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

### क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

| **आतंरिक मूल्यांकन (25%)** | | | | | **सत्रांत परीक्षा (75%)** |
|---|---|---|---|---|---|
| घटक | कक्षा में सतत मूल्यांकन | उपस्थिति | सेमिनार* | सत्रीय-पत्र# | |
| निर्धारित | 05 | 05 | 07 | 08 | |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| अंक | | | | | |
| **पूर्णांक** | **25** | | | | **75** |

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

**ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन**

| **आतंरिक मूल्यांकन** (**80**%) | | | **मौखिकी** (**20**%) |
|---|---|---|---|
| घटक | क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण | परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन | |
| निर्धारित अंक प्रतिशत | 30**%** | 50**%** | **20%** |

## 11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

## (Textbooks/Reference/Resources)

| **क्र. सं.** | **पाठ्य-सामग्री** | **विवरण (APA प्रारूप में)** |
|---|---|---|
| 1 | आधार/पाठ्य ग्रंथ | 1. लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ. कौशल किशोर पाण्डेय, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी - 221002, प्रथम संस्करण, 1995<br>2. लघुसिद्धान्तकौमुदी, पं. श्रीगोमतीप्रसाद शास्त्री मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी - 221001,दशम संस्करण, 1985 |
| 2 | संदर्भ-ग्रंथ | 3. लघुसिद्धान्तकौमुदी, पं.श्रीसूर्यनारायण शुक्ल, वाराणसेय संस्कृत संस्थान, वाराणसी - 2,द्वितीय संस्करण, 1988 |

| | | |
|---|---|---|
| | | 4. प्रौढ-रचनानुवादकौमुदी – डॉ.कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, नखास चौक, गोरखपुर, प्रथमसंस्करण, सन् 1961 |
| 3 | ई-संसाधन | आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि |
| 4 | अन्य | कक्षागत नोटस् का प्रयोग |

## द्वितीय पत्र

**1.पाठ्यचर्या का नाम:** संस्कृत साहित्य (परिचय एवं इतिहास)

**(Name of the Course)**

**2.पाठ्यचर्या का कोड:** BSAN 02

**(Code of the Course)**

**3. क्रेडिट: __ 2 __ 4. सेमेस्टर:** प्रथम सेमेस्टर

**(Credit) (Semester)**

| घटक | घंटे |
|---|---|
| कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान | 20 |
| ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा | 6+4=10 |
| व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य | ------ |
| कौशल विकास गतिविधियाँ | |
| **कुल क्रेडिट घंटे** | **30** |

**5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :**
प्रस्तुत पाठ्यचर्या संस्कृत साहित्य के परिचय एवं इतिहास विषय पर आधारित है। यह पाठ्यचर्या वेद ,उपनिषद्, ब्राह्मण, वेदांग सहित लौकिक साहित्य सामान्य परिचय में रामायण, महाभारत, पुराण, महाकाव्य, नाटक, कथा-साहित्य एवं प्रसिद्ध काव्यशास्त्रीयों आदि का ज्ञान करवाने में पूर्ण सक्षम है।

**6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :**
पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा ।

- पाठक शब्दरूप, धातुरूप, अव्यय, प्रत्यय का ज्ञान ग्रहण करेगा
- शिक्षार्थी संभाषण के विभिन्न बिन्दुओं की जानकारी प्राप्त करेगा
- विद्यार्थी संज्ञा प्रकरण द्वारा सूत्र आदि से परिचित होगा ।

**7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)**

| मॉड्यूल संख्या | विवरण | निर्धारित अवधि (घंटे में) | | | कुल घंटे | कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | व्याख्यान | ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं) | संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory) | | |
| अन्विति -1 | **वैदिक साहित्य** सामान्य परिचय वेद ,उपनिषद्, ब्राह्मण, वेदांग | 10 | 3 | 2 | 15 | **50%** |
| अन्विति -2 | **लौकिक साहित्य** सामान्य परिचय रामायण, महाभारत, पुराण, महाकाव्य परिचय, नाटक परिचय, कथा-साहित्य , कवि एवं कृति परिचय ,भरत, भामह, वामन,मम्मट कुन्तक, विश्वनाथ पण्डित जगन्नाथ आदि का विवेचन | 10 | 3 | 2 | 15 | **50%** |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| **योग** | | **20** | **6** | **4** | **30** | **100%** |

**टिप्पणी:**

3. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
4. प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

## 8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

## (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

| | |
|---|---|
| **अभिगम** | शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग |
| **विधियाँ** | व्याख्यान विधि , विवेचनात्मक विधि का प्रयोग |
| **तकनीक** | आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पाठशाला द्वारा शिक्षण<br>श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण |
| **उपादान** | कक्षागत नोटस , आलेख, फोटो कोपी इत्यादि |

## 9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :

## (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

**पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)**

| **पाठ्यक्रम लक्ष्य** | लक्ष्य 1 | लक्ष्य 2 | लक्ष्य 3 | लक्ष्य 4 | लक्ष्य 5 | लक्ष्य 6 | लक्ष्य 7 | लक्ष्य 8 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति | √ | √ | - | - | - | - | - | - |
| | | | | | | | | |

**टिप्पणी:**

3. **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

**4.** एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

## 10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

### क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

| **आतंरिक मूल्यांकन (25%)** | | | | | **सत्रांत परीक्षा (75%)** |
|---|---|---|---|---|---|
| घटक | कक्षा में सतत मूल्यांकन | उपस्थिति | सेमिनार* | सत्रीय-पत्र# | |
| निर्धारित अंक | 05 | 05 | 07 | 08 | |
| **पूर्णांक** | **25** | | | | **75** |

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

### ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

| **आतंरिक मूल्यांकन (80%)** | | | **मौखिकी (20%)** |
|---|---|---|---|
| घटक | क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण | परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन | |
| निर्धारित अंक प्रतिशत | 30**%** | 50**%** | **20%** |

## 11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

| **क्र.** | **पाठ्य-सामग्री** | **विवरण** |
|---|---|---|

| सं. | | (APA प्रारूप में) |
|---|---|---|
| 1 | आधार/पाठ्य ग्रंथ | 1. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति , कपिल देव द्विवेदी , विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी , 2008<br>2. भारतीय साहित्यशास्त्र , बलदेव उपाध्याय , चौखम्बा प्रकाशन , वाराणसी |
| 2 | संदर्भ-ग्रंथ | 1. संस्कृत साहित्य का इतिहास , प्रो० उमाशंकर शर्मा ऋषि , चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी<br>2. संस्कृत कवि दर्शन , डॉ० भोला शंकर व्यास , चौखम्बा विद्याभवन , वाराणसी |
| 3 | ई-संसाधन | आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि |
| 4 | अन्य | कक्षागत नोटस् का प्रयोग |

# द्वितीय सेमेस्टर

## तृतीय पत्र

**1.पाठ्यचर्या का नाम:** संस्कृत साहित्यम्- 1

**(Name of the Course)**

**2.पाठ्यचर्या का कोड:** BSAN 03

**(Code of the Course)**

**3. क्रेडिट: __ 4 __ 4. सेमेस्टर:** द्वितीय सेमेस्टर

**(Credit) (Semester)**

| घटक | घंटे |
|---|---|
| कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान | 50 |
| ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा | 6+4=10 |
| व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य | ------ |
| कौशल विकास गतिविधियाँ | |
| **कुल क्रेडिट घंटे** | 60 |

**5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :** प्रस्तुत पाठ्यचर्या संस्कृत साहित्य विषय पर आधारित है। यह पाठ्यचर्या महाकाव्य, गद्यकाव्य , नाटक , छन्द एवं अंलकार आदि का ज्ञान करवाने में पूर्ण सक्षम है।

**6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :** पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा ।

- विद्यार्थी महाकाव्य विधा को जानने में सक्षम होगा एवं प्रस्तुत पाठ को व्याख्यायित करने में सक्षम होगा।
- विद्यार्थी गद्यकाव्य विधा को जानने में सक्षम होगा एवं प्रस्तुत पाठों को व्याख्यायित करने में सक्षम होगा।
- विद्यार्थी नाटक विधा को जानने में सक्षम होगा एवं प्रस्तुत पाठ को व्याख्यायित करने में सक्षम होगा।
- विद्यार्थी छन्द एवं अलंकार विधा को जानने में सक्षम होगा एवं प्रस्तुत पाठ को व्याख्यायित करने में सक्षम होगा।

## 7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (**Contents of the Course**)

| मॉड्यूल संख्या | विवरण | निर्धारित अवधि (घंटे में) | | | कुल घंटे | कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | व्याख्यान | ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं) | संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory) | | |
| अन्विति -1 | **महाकाव्य** रघुवंशम् प्रथम सर्ग द्वितीय सर्ग पञ्चमसर्ग | **1**5 | 2 | 1 | 18 | **25%** |
| अन्विति -2 | **गद्यकाव्य** दशमकुमार चरितम् (सोमदत्त कथा) कादम्बरी (शुकनासोप देश ) | **1**5 | 2 | 1 | 18 | **25%** |
| अन्विति -3 | **नाटक** अभिज्ञान शाकुंतलम् प्रथम एवं चतुर्थ अंक स्वप्नसवदत्तम् प्रथम एवं चतुर्थ | **1**0 | 1 | 1 | 12 | **25%** |
| अन्विति -4 | छंद एवं अलंकार परिचय | 10 | 1 | 1 | 12 | **25%** |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| **योग** | | **50** | **6** | **4** | **60** | **100%** |

**टिप्पणी:**

5. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
6. प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

## 8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

## (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

| | |
|---|---|
| **अभिगम** | शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग |
| **विधियाँ** | व्याख्यान विधि , विवेचनात्मक विधि का प्रयोग |
| **तकनीक** | आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पाठशाला द्वारा शिक्षण<br>श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण |
| **उपादान** | कक्षागत नोटस , आलेख, फोटो कोपी इत्यादि |

## 9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :

## (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

**पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)**

| **पाठ्यक्रम लक्ष्य** | लक्ष्य 1 | लक्ष्य 2 | लक्ष्य 3 | लक्ष्य 4 | लक्ष्य 5 | लक्ष्य 6 | लक्ष्य 7 | लक्ष्य 8 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति | √ | √ | - | - | - | - | - | - |
| | | | | | | | | |

**टिप्पणी:**

5. **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

**6.** एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

## 10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

### क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

| **आतंरिक मूल्यांकन (25%)** | | | | | **सत्रांत परीक्षा (75%)** |
|---|---|---|---|---|---|
| घटक | कक्षा में सतत मूल्यांकन | उपस्थिति | सेमिनार* | सत्रीय-पत्र# | |
| निर्धारित अंक | 05 | 05 | 07 | 08 | |
| **पूर्णांक** | **25** | | | | **75** |

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

### ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

| **आतंरिक मूल्यांकन (80%)** | | | **मौखिकी (20%)** |
|---|---|---|---|
| घटक | क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण | परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन | |
| निर्धारित अंक प्रतिशत | 30**%** | 50**%** | **20%** |

## 11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

| **क्र. सं.** | **पाठ्य-सामग्री** | **विवरण (APA प्रारूप में)** |
|---|---|---|

| | | |
|---|---|---|
| 1 | आधार/पाठ्य ग्रंथ | 1. रघुवंशम् , मल्लिनाथ , चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन , वाराणसी<br>2. दशमकुमारचरितम् (सोमदत्त कथा) , चन्द्रकला व्या. शेषराज शर्मा रेग्मी , चौखम्बा संस्कृत सीरिज , वाराणसी<br>3. कादम्बरी (शुकनासोपदेश), भट्ट मथुरा नाथ शास्त्री , निर्णय सागर प्रेस , मुम्बई<br>4. अभिज्ञानशाकुंतलम् (प्रथम एवं चतुर्थ अंक) , सुधाकर मालवीय , सरला हिन्दी व्या. , चौखम्बा संस्कृत सीरिज , वाराणसी |
| 2 | संदर्भ-ग्रंथ | 1. स्वप्नवसवदत्तम् ( प्रथम एवं चतुर्थ ) , कलमेश्वरी , हिंदी व्या, बाल गोविन्द झा , चौखम्बा संस्कृत सीरिज , वाराणसी<br>2. अलंकारसर्वस्वम् , हिंदी टीका सहित , रेवाप्रसाद द्विवेदी , चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन , वाराणसी |
| 3 | ई-संसाधन | आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि |
| 4 | अन्य | कक्षागत नोटस् का प्रयोग |

# चतुर्थ पत्र

**1.पाठ्यचर्या का नाम:** संस्कृत व्याकरणशास्त्र -1

**(Name of the Course)**

**2. पाठ्यचर्या का कोड:** BSAN 04

**(Code of the Course)**

**3. क्रेडिट: __ 2 __ 4. सेमेस्टर:** द्वितीय सेमेस्टर

**(Credit) (Semester)**

| घटक | घंटे |
|---|---|
| कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान | 24 |
| ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा | 4+2=6 |
| व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य | ------ |
| कौशल विकास गतिविधियाँ | |
| **कुल क्रेडिट घंटे** | **30** |

**5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :**

प्रस्तुत पाठ्यचर्या संस्कृत व्याकरणशास्त्र विषय पर आधारित है। यह पाठ्यचर्या संस्कृत व्याकरण के सुबन्त प्रकरण एवं स्त्री प्रत्यय प्रकरण आदि का ज्ञान करवाने में पूर्ण सक्षम है।

**6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :**

पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा ।

- विद्यार्थी संस्कृत व्याकरण के सुबन्त प्रकरण को जानने में सक्षम होगा एवं प्रस्तुत पाठ को व्याख्यायित करने में सक्षम होगा।
- विद्यार्थी संस्कृत व्याकरण के स्त्री प्रत्यय प्रकरण को जानने में सक्षम होगा एवं प्रस्तुत पाठ को व्याख्यायित करने में सक्षम होगा।

**7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)**

| मॉड्यूल संख्या | विवरण | निर्धारित अवधि (घंटे में) | | | कुल घंटे | कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | व्याख्यान | ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं) | संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory) | | |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| अन्विति -1 | लघुसिद्धान्त कौमुदी- सुवन्त प्रकरण | 12 | 2 | 1 | 15 | **50%** |
| अन्विति -2 | स्त्री प्रत्यय प्रकरण , प्रयोगात्मक वाक्य निर्माण | 12 | 2 | 1 | 15 | **50%** |
| **योग** | | **24** | **4** | **2** | **30** | **100%** |

**टिप्पणी:**

7. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
8. प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

## 8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

## (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

| | |
|---|---|
| **अभिगम** | शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग |
| **विधियाँ** | व्याख्यान विधि , विवेचनात्मक विधि का प्रयोग |
| **तकनीक** | आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पाठशाला द्वारा शिक्षण<br>श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण |
| **उपादान** | कक्षागत नोटस , आलेख, फोटो कोपी इत्यादि |

## 9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :

## (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

**पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)**

| **पाठ्यक्रम लक्ष्य** | लक्ष्य 1 | लक्ष्य 2 | लक्ष्य 3 | लक्ष्य 4 | लक्ष्य 5 | लक्ष्य 6 | लक्ष्य 7 | लक्ष्य 8 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति | √ | - | - | - | - | - | - | - |
| | | | | | | | | |

**टिप्पणी:**

7. **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
8. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

## 10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

### क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

| **आतंरिक मूल्यांकन (25%)** | | | | | **सत्रांत परीक्षा (75%)** |
|---|---|---|---|---|---|
| घटक | कक्षा में सतत मूल्यांकन | उपस्थिति | सेमिनार* | सत्रीय-पत्र# | |
| निर्धारित अंक | 05 | 05 | 07 | 08 | |
| **पूर्णांक** | **25** | | | | **75** |

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

## ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

| आतंरिक मूल्यांकन (80%) | | | मौखिकी (20%) |
|---|---|---|---|
| घटक | क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण | परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन | |
| निर्धारित अंक प्रतिशत | 30% | 50% | 20% |

## 11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

## (Textbooks/Reference/Resources)

| क्र. सं. | पाठ्य-सामग्री | विवरण (APA प्रारूप में) |
|---|---|---|
| 1 | आधार/पाठ्य ग्रंथ | 1. लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ. कौशल किशोर पाण्डेय, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी - 221002, प्रथम संस्करण, 1995<br>2. लघुसिद्धान्तकौमुदी, पं. श्रीगोमतीप्रसाद शास्त्री मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी - 221001,दशम संस्करण, 1985 |
| 2 | संदर्भ-ग्रंथ | 1. प्रौढ-रचनानुवादकौमुदी – डॉ.कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, नखास चौक, गोरखपुर, प्रथमसंस्करण, सन् 1961 |
| 3 | ई-संसाधन | आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि |
| 4 | अन्य | कक्षागत नोटस् का प्रयोग |

# तृतीय सेमेस्टर

## पंचम – पत्र

**1.पाठ्यचर्या का नाम:** भारतीयदर्शनम् - I

**(Name of the Course)**

**2.पाठ्यचर्या का कोड:** BSAN 05

**(Code of the Course)**

**3. क्रेडिट:** __ **4** __ **4. सेमेस्टर:** तृतीय सेमेस्टर

**(Credit)** **(Semester)**

| घटक | घंटे |
|---|---|
| कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान | 50 |
| ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा | 6+4=10 |
| व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य | ------ |
| कौशल विकास गतिविधियाँ | |
| **कुल क्रेडिट घंटे** | 60 |

**5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :** प्रस्तुत पाठ्यचर्या भारतीय दर्शन विषय पर आधारित है। यह पाठ्यचर्या भारतीय आस्तिक एवं नास्तिक दर्शनों के प्रमुख तत्त्व एवं अवधारणाओं का ज्ञान करवाने में पूर्ण सक्षम है।

**6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :** पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा ।

- विद्यार्थी भारतीय दर्शन की आस्तिक ज्ञान परम्परा को जानने में सक्षम होगा ।
- विद्यार्थी भारतीय दर्शन की नास्तिक ज्ञान परम्परा को जानने में सक्षम होगा ।
- भारतीय दर्शनों के परस्पर अन्त:सम्बन्ध को जानने में सक्षम होगा ।
- दर्शन के संदर्भ में आधुनिक विज्ञान को आत्मसात करने में सक्षम होगा ।

**7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)**

| मॉड्यूल संख्या | विवरण | निर्धारित अवधि (घंटे में) | | | कुल घंटे | कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | व्याख्यान | ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं) | संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory) | | |

| | | | | | | share to the Course) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| अन्विति -1 | **भारतीय दर्शन** परिचय सांख्य दर्शन (साङ्ख्य कारिका की सिद्धांतपरक कारिकाएँ ) योग दर्शन (समाधि एवं साधना पाद के प्रमुख सूत्र) न्याय दर्शन परिचय (प्रमुख बिंदु, तत्व एवं अवधारणा ) | 25 | 3 | 2 | 30 | **50%** |
| अन्विति -2 | **वैशेषिक** परिचय (तर्कसंग्रह ) पूर्व मीमांसा परिचय उत्तरमीमांसा परिचय द्वैत,अद्वैत, विशिष्टाद्वैत | 25 | 3 | 2 | 30 | **50&** |
| **योग** | | **50** | **6** | **4** | **60** | **100%** |

**टिप्पणी:**

9. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
10. प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

## 8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

## (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

| | |
|---|---|
| **अभिगम** | शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग |
| **विधियाँ** | व्याख्यान विधि , विवेचनात्मक विधि का प्रयोग |
| **तकनीक** | आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पाठशाला द्वारा शिक्षण<br>श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण |
| **उपादान** | कक्षागत नोटस , आलेख, फोटो कोपी इत्यादि |

## 9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :

## (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

**पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)**

| **पाठ्यक्रम लक्ष्य** | लक्ष्य 1 | लक्ष्य 2 | लक्ष्य 3 | लक्ष्य 4 | लक्ष्य 5 | लक्ष्य 6 | लक्ष्य 7 | लक्ष्य 8 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति | √ | √ | - | - | - | - | - | - |
| | | | | | | | | |

**टिप्पणी:**

**9. X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

**10.** एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

## 10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

### क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

| **आतंरिक मूल्यांकन (25%)** | **सत्रांत परीक्षा (75%)** |
|---|---|

| घटक | कक्षा में सतत मूल्यांकन | उपस्थिति | सेमिनार* | सत्रीय-पत्र# | |
|---|---|---|---|---|---|
| निर्धारित अंक | 05 | 05 | 07 | 08 | |
| **पूर्णांक** | **25** | | | | **75** |

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

## ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

| **आतंरिक मूल्यांकन** (**80**%) | | | **मौखिकी** (**20**%) |
|---|---|---|---|
| घटक | क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण | परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन | |
| निर्धारित अंक प्रतिशत | 30**%** | 50**%** | **20%** |

## 11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

## (Textbooks/Reference/Resources)

| **क्र. सं.** | **पाठ्य-सामग्री** | **विवरण (APA प्रारूप में)** |
|---|---|---|
| 1 | आधार/पाठ्य ग्रंथ | 1. सर्वदर्शनसंग्रह, माधवाचार्य , प्रो० उमा शङ्कर शर्मा ऋषि , चौखम्बा विद्याभवन , वाराणसी , 1964<br>**2.** साख्यकारिका , ईश्वरकृष्ण मिश्र |

| | | |
|---|---|---|
| | | (व्याख्याकार) , राकेश शास्त्री, संस्कृत ग्रन्थागार , दिल्ली , 2004<br>**3.** तर्कसंग्रह , गोविन्दाचार्य , चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन , वाराणसी , 2017<br>**4.** पातञ्जलयोगदर्शनम् , पतञ्जलि (व्याख्याकार) , सुरेश चन्द्र श्रीवास्तव , चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन , वाराणसी , 1993 |
| 2 | संदर्भ-ग्रंथ | 1. भारतीय दर्शन , भारतीय दर्शन की रूपरेखा , प्रो० हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली , 1995<br>2. भारतीय दर्शन , राधा कृष्णन , राजपाल एण्ड सन्ज , कश्मीरी गेट, दिल्ली , 2015 |
| 3 | ई-संसाधन | आई सी टी आधारित शिक्षण **,** शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग **,** ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि |
| 4 | अन्य | कक्षागत नोटस् का प्रयोग |

## षष्ठ पत्र

**1.पाठ्यचर्या का नाम:** संस्कृत व्याकरणशास्त्र –II

**(Name of the Course)**

**2.पाठ्यचर्या का कोड:** BSAN 06

**(Code of the Course)**

**3. क्रेडिट: __ 2 __ 4. सेमेस्टर:** तृतीय सेमेस्टर

**(Credit) (Semester)**

| घटक | घंटे |
|---|---|
| कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान | 24 |
| ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा | 4+2=6 |
| व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य | ------ |
| कौशल विकास गतिविधियाँ | |
| **कुल क्रेडिट घंटे** | **30** |

**5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :**
प्रस्तुत पाठ्यचर्या संस्कृत व्याकरणशास्त्र विषय पर आधारित है। यह पाठ्यचर्या संस्कृत व्याकरण के कारक प्रकरण एवं समास प्रकरण का ज्ञान करवाने में पूर्ण सक्षम है।

**6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :** पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा ।

- विद्यार्थी संस्कृत व्याकरणशास्त्र का सामान्य परिचय प्राप्त करने में सक्षम होगा।
- विद्यार्थी संस्कृत व्याकरणशास्त्र के कारक प्रकरण एवं वाक्य निर्माण का ज्ञान प्राप्त करने में सक्षम होगा।
- विद्यार्थी संस्कृत व्याकरणशास्त्र के समास प्रकरण का ज्ञान प्राप्त करने में सक्षम होगा।

**7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)**

| मॉड्यूल संख्या | विवरण | निर्धारित अवधि (घंटे में) | | | कुल घंटे | कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percent |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | व्याख्यान | ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं) | संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ | | |

| | | | | Training/ Laboratory) | | **age share to the Course)** |
|---|---|---|---|---|---|---|
| **अन्विति -1** | **कारक प्रकरण** लघुसिद्धान्त कौमुदी प्रमुख सूत्र | 12 | 2 | 1 | 15 | **50%** |
| **अन्विति -2** | **समास - प्रकरण** लघुसिद्धान्त कौमुदी प्रमुख सूत्र | 12 | 2 | 1 | 15 | **50%** |
| **योग** | | **24** | **4** | **2** | **30** | **100%** |

**टिप्पणी:**

**11.** माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

**12.** प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

## 8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

## (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

| | |
|---|---|
| **अभिगम** | शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग |
| **विधियाँ** | व्याख्यान विधि , विवेचनात्मक विधि का प्रयोग |
| **तकनीक** | आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पाठशाला द्वारा शिक्षण<br>श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण |
| **उपादान** | कक्षागत नोटस , आलेख, फोटो कोपी इत्यादि |

## 9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :

## (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

**पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)**

| **पाठ्यक्रम लक्ष्य** | लक्ष्य 1 | लक्ष्य 2 | लक्ष्य 3 | लक्ष्य 4 | लक्ष्य 5 | लक्ष्य 6 | लक्ष्य 7 | लक्ष्य 8 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति | √ | √ | - | - | - | - | - | - |
| | | | | | | | | |

**टिप्पणी:**

**11.** **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

**12.** एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

## 10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

### क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

| **आतंरिक मूल्यांकन (25%)** | | | | | **सत्रांत परीक्षा (75%)** |
|---|---|---|---|---|---|
| घटक | कक्षा में सतत मूल्यांकन | उपस्थिति | सेमिनार* | सत्रीय-पत्र# | |
| निर्धारित अंक | 05 | 05 | 07 | 08 | |
| **पूर्णांक** | **25** | | | | **75** |

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

## ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

| आतंरिक मूल्यांकन (80%) | | | मौखिकी (20%) |
|---|---|---|---|
| घटक | क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण | परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन | |
| निर्धारित अंक प्रतिशत | 30% | 50% | 20% |

## 11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

## (Textbooks/Reference/Resources)

| क्र. सं. | पाठ्य-सामग्री | विवरण (APA प्रारूप में) |
|---|---|---|
| 1 | आधार/पाठ्य ग्रंथ | 1. लघुसिद्धान्तकौमुदी, पं. श्रीगोमतीप्रसाद शास्त्री मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी - 221001,दशम संस्करण, 1985<br>2. लघुसिद्धान्त कौमुदी प्रकाशिका , डॉ० जीत सिंह खोखर , अल्का हिंदी व्याख्या सहित, चौखम्बा पब्लिशर्स , वाराणसी, 2002 |
| 2 | संदर्भ-ग्रंथ | 1. लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ. कौशल किशोर पाण्डेय, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी - 221002, प्रथम संस्करण, 1995 |
| 3 | ई-संसाधन | आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि |
| 4 | अन्य | कक्षागत नोटस् का प्रयोग |

## चतुर्थ सेमेस्टर

## सप्तम पत्र

**1.पाठ्यचर्या का नाम:** वैदिकसाहित्यम् - I

**(Name of the Course)**

**2.पाठ्यचर्या का कोड:** BSAN 07

**(Code of the Course)**

**3. क्रेडिट:** __ **4** __ **4. सेमेस्टर:** चतुर्थ सेमेस्टर

**(Credit)** **(Semester)**

| घटक | घंटे |
|---|---|
| कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान | 45 |
| ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा | 9+6=15 |
| व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य | ------ |
| कौशल विकास गतिविधियाँ | |
| **कुल क्रेडिट घंटे** | 60 |

**5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :**

प्रस्तुत पाठ्यचर्या वैदिक साहित्य विषय पर आधारित है। यह पाठ्यचर्या वैदिक साहित्य के प्रमुख सूक्तों एवं उपनिषदों की शिक्षा वल्लियों सहित निरक्तशास्त्र के प्रमुख सिद्धान्तों का ज्ञान करवाने में पूर्ण सक्षम है।

**6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :**

पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा ।

- विद्यार्थी वैदिक सूक्त ज्ञान विधा को जानने में सक्षम होगा एवं प्रस्तुत सूक्त को व्याख्यायित करने में सक्षम होगा।
- विद्यार्थी उपनिषदों की शिक्षा वल्लियों को जानने में सक्षम होगा एवं शैक्षिक ज्ञान ग्रहण करने में सक्षम होगा।
- विद्यार्थी निरुक्तशास्त्र के प्रमुख विषयों को आत्मसात करने में सक्षम होगा।

**7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)**

| मॉड्यूल संख्या | विवरण | निर्धारित अवधि (घंटे में) | | | | कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | व्याख्या | ट्यूटोरिय | संवाद/प्रशिक्षण/ | | |

| | | न | ल (यदि अपेक्षित हैं) | प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory) | कुल घंटे | अंश (Percentage share to the Course) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| अन्विति -1 | **ऋग्वेद** अग्नि 1/1, उषा 3/61, नदी 3/33, हिरण्यगर्भ 10/121 यजुर्वेद शिवसंकल्प सूक्त 34/1-6 अथर्ववेद सामनस्य 3.30, भूमि- 12.1-12 | 15 | 3 | 2 | 20 | **33.3%** |
| अन्विति -2 | ईशोपनिषद् तैत्तरीय उपनिषद शिक्षा वल्ली, कठोपनिषद् (प्रथम अध्याय) | 15 | 3 | 2 | 20 | **33.3%** |
| अन्विति -3 | **निरुक्त** परिचय एवं प्रमुख सिद्धान्त | 15 | 3 | 2 | 20 | **33.3%** |
| **योग** | | **45** | **9** | **6** | **60** | **100%** |

**टिप्पणी:**

**13.** माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

**14.** प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

## 8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

## (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

| | |
|---|---|
| **अभिगम** | शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग |
| **विधियाँ** | व्याख्यान विधि , विवेचनात्मक विधि का प्रयोग |
| **तकनीक** | आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पाठशाला द्वारा शिक्षण<br>श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण |
| **उपादान** | कक्षागत नोटस , आलेख, फोटो कोपी इत्यादि |

## 9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :

## (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

**पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)**

| **पाठ्यक्रम लक्ष्य** | लक्ष्य 1 | लक्ष्य 2 | लक्ष्य 3 | लक्ष्य 4 | लक्ष्य 5 | लक्ष्य 6 | लक्ष्य 7 | लक्ष्य 8 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति | √ | √ | - | - | - | - | - | - |
| | | | | | | | | |

**टिप्पणी:**

**13.** **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

**14.** एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

## 10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

## क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

| आतंरिक मूल्यांकन (25%) | | | | | सत्रांत परीक्षा (75%) |
|---|---|---|---|---|---|
| घटक | कक्षा में सतत मूल्यांकन | उपस्थिति | सेमिनार* | सत्रीय-पत्र# | |
| निर्धारित अंक | 05 | 05 | 07 | 08 | |
| **पूर्णांक** | **25** | | | | **75** |

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

## ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

| आतंरिक मूल्यांकन (**80**%) | | | मौखिकी (**20**%) |
|---|---|---|---|
| घटक | क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण | परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन | |
| निर्धारित अंक प्रतिशत | 30**%** | 50**%** | **20%** |

## 11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

## (Textbooks/Reference/Resources)

| क्र. सं. | पाठ्य-सामग्री | विवरण (APA प्रारूप में) |
|---|---|---|
| 1 | आधार/पाठ्य ग्रंथ | |

| | | |
|---|---|---|
| | | 1. वैदिक सूक्त मञ्जरी, रघुवीर वेदालङ्कार, चौखम्बा ओरियण्टालिया, दिल्ली, 2009<br>2. ऋग्सूक्त सन्दर्शिका, डॉ० बालगोविन्द झा, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वारणसी , 2005<br>3. निरुक्त, यास्क, प्रो० उमाशंकर शर्मा ऋषि, सम्पादक, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2001 |
| 2 | संदर्भ-ग्रंथ | 1. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति , कपिल देव द्विवेदी , विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी , 2008<br>2. वैदिक देवता उद्भव एवं विकास , गया चरण त्रिपाठी , राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान , नई दिल्ली |
| 3 | ई-संसाधन | आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि |
| 4 | अन्य | कक्षागत नोटस् का प्रयोग |

## अष्टम पत्र

**1.पाठ्यचर्या का नाम:** संस्कृत व्याकरणशास्त्र –III

**(Name of the Course)**

**2.पाठ्यचर्या का कोड:** BSAN 08

**(Code of the Course)**

**3. क्रेडिट: __ 2 __ 4. सेमेस्टर:** चतुर्थ सेमेस्टर

**(Credit) (Semester)**

| घटक | घंटे |
|---|---|
| कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान | 24 |
| ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा | 4+2=6 |
| व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य | ------ |
| कौशल विकास गतिविधियाँ | |
| **कुल क्रेडिट घंटे** | **30** |

**5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :**

प्रस्तुत पाठ्यचर्या संस्कृत व्याकरणशास्त्र विषय पर आधारित है। यह पाठ्यचर्या लघुसिद्धान्त कौमुदी के धातुपाठ के प्रथमगण समूह एवं द्वितीय गण समूह की प्रमुख धातुओं का ज्ञान करवाने में पूर्ण सक्षम है।

**6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :**

पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा ।

- विद्यार्थी संस्कृत व्याकरणशास्त्र का सामान्य परिचय प्राप्त करने में सक्षम होगा ।
- विद्यार्थी संस्कृत व्याकरणशास्त्र धातुपाठ के प्रथमगण धातुओं का ज्ञान प्राप्त करने में सक्षम होगा।
- विद्यार्थी संस्कृत व्याकरणशास्त्र धातुपाठ के द्वितीय गण धातुओं का ज्ञान प्राप्त करने में सक्षम होगा।

**7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)**

| मॉड्यूल संख्या | विवरण | निर्धारित अवधि (घंटे में) | | | कुल | कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | व्याख्यान | ट्यूटोरियल | संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Int | | |

| | | | (यदि अपेक्षित हैं) | eraction/ Training/ Laboratory) | घंटे | **(Percentage share to the Course)** |
|---|---|---|---|---|---|---|
| **अन्विति -1** | **लघुसिद्धान्त कौमुदी** प्रथमगण भ्वादिगण, दिवादिगण, तुदादिगण, चुरादिगण सार्वधातुक लट्, लोट्,लङ्, विधिलिङ् | 12 | 2 | 1 | 15 | **50%** |
| **अन्विति -2** | **लघुसिद्धान्त कौमुदी** द्वितीय गण समूह अदादि,जुहोत्यादि , स्वादि, रुधादि, तनादि,क्र्यादि सार्वधातुक खण्ड लट्, लोट्, लङ्, विधिलिङ् | 12 | 2 | 1 | 15 | **50%** |
| **योग** | | **24** | **4** | **2** | **30** | **100%** |

**टिप्पणी:**

**15.** माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

**16.** प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

## 8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

## (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

| | |
|---|---|
| **अभिगम** | शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग |
| **विधियाँ** | व्याख्यान विधि , विवेचनात्मक विधि का प्रयोग |
| **तकनीक** | आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पाठशाला द्वारा शिक्षण श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण |
| **उपादान** | कक्षागत नोटस , आलेख, फोटो कोपी इत्यादि |

## 9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :

## (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

**पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)**

| **पाठ्यक्रम लक्ष्य** | लक्ष्य 1 | लक्ष्य 2 | लक्ष्य 3 | लक्ष्य 4 | लक्ष्य 5 | लक्ष्य 6 | लक्ष्य 7 | लक्ष्य 8 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति | √ | √ | - | - | - | - | - | - |
| | | | | | | | | |

**टिप्पणी:**

**15.** **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

**16.** एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

## 10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

### क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

| आतंरिक मूल्यांकन (25%) | | | | | सत्रांत परीक्षा (75%) |
|---|---|---|---|---|---|
| घटक | कक्षा में सतत मूल्यांकन | उपस्थिति | सेमिनार* | सत्रीय-पत्र# | |
| निर्धारित अंक | 05 | 05 | 07 | 08 | |
| **पूर्णांक** | **25** | | | | **75** |

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

### ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

| आतंरिक मूल्यांकन (**80**%) | | | मौखिकी (**20**%) |
|---|---|---|---|
| घटक | क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण | परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन | |
| निर्धारित अंक प्रतिशत | 30**%** | 50**%** | **20%** |

## 11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

| क्र. सं. | पाठ्य-सामग्री | विवरण (APA प्रारूप में) |
|---|---|---|

| | | |
|---|---|---|
| 1 | आधार/पाठ्य ग्रंथ | 1. लघुसिद्धान्तकौमुदी, गोविन्दप्रसाद शर्मा, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी - 221001, प्रथम संस्करण, 2007<br>2. लघुसिद्धान्तकौमुदी भैमीव्याख्या (प्रथम भाग), भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन 537, लाजपतराय मार्केट, दिल्ली - 110006, तृतीय संस्करण, 1993 |
| 2 | संदर्भ-ग्रंथ | 1. लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ. कौशल किशोर पाण्डेय, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी - 221002, प्रथम संस्करण, 1995<br>2. लघुसिद्धान्तकौमुदी, पं. श्रीगोमतीप्रसाद शास्त्री मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी - 221001, दशम संस्करण, 1985<br>3. लघुसिद्धान्तकौमुदी, पं.श्रीसूर्यनारायण शुक्ल, वाराणसेय संस्कृत संस्थान, वाराणसी - ,द्वितीय संस्करण, 1988 |
| 3 | ई-संसाधन | आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि |
| 4 | अन्य | कक्षागत नोटस् का प्रयोग |

**पंचम सेमेस्टर**

## नवम पत्र

**1.पाठ्यचर्या का नाम:** संस्कृतसाहित्यम् - II

**(Name of the Course)**

**2.पाठ्यचर्या का कोड:** BSAN 09

**(Code of the Course)**

**3. क्रेडिट: __ 4 __ 4. सेमेस्टर:** पंचम सेमेस्टर

**(Credit) (Semester)**

| घटक | घंटे |
|---|---|
| कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान | 44 |
| ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा | 10+6=16 |
| व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य | ------ |
| कौशल विकास गतिविधियाँ | |
| **कुल क्रेडिट घंटे** | 60 |

**5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :** प्रस्तुत पाठ्यचर्या संस्कृत साहित्य विषय पर आधारित है। यह पाठ्यचर्या पद्यकाव्य, नाटक एवं पंचतन्त्र आदि का ज्ञान करवाने में पूर्ण सक्षम है।

**6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :** पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा ।

- विद्यार्थी संस्कृत पद्यकाव्य विधा को जानने में सक्षम होगा एवं प्रस्तुत पाठ को व्याख्यायित करने में सक्षम होगा।
- अध्येता संस्कृत नाटक विधा को जानने में सक्षम होगा एवं प्रस्तुत पाठ को व्याख्यायित करने में सक्षम होगा।
- विद्यार्थी पंचतन्त्र के शैक्षिक महत्त्व को समझने में सक्षम होगा।

**7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)**

| मॉड्यूल संख्या | विवरण | निर्धारित अवधि (घंटे में) | | | कुल घंटे | कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | व्याख्यान | ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं) | संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory) | | |

| | | | | | | share to the Course) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| अन्विति -1 | **पद्यकाव्य** कुमारसम्भवम् (प्रथम सर्ग) गद्यकाव्य , शिवराज विजयम् (द्रुतपाठ) | 22 | 5 | 3 | 30 | **50%** |
| अन्विति -2 | **पञ्चतन्त्र** अपरीक्षित कारकम्, मित्रलाभ **नाटक** कर्णभारम् (द्रुतपाठ) | 22 | 5 | 3 | 30 | **50%** |
| **योग** | | **44** | **10** | **6** | **60** | **100%** |

**टिप्पणी:**

17. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
18. प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

## 8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

## (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

| | |
|---|---|
| **अभिगम** | शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग |
| **विधियाँ** | व्याख्यान विधि , विवेचनात्मक विधि का प्रयोग |
| **तकनीक** | आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पाठशाला द्वारा शिक्षण<br>श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण |
| **उपादान** | कक्षागत नोटस , आलेख, फोटो कोपी इत्यादि |

## 9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :

## (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

**पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)**

| **पाठ्यक्रम लक्ष्य** | लक्ष्य 1 | लक्ष्य 2 | लक्ष्य 3 | लक्ष्य 4 | लक्ष्य 5 | लक्ष्य 6 | लक्ष्य 7 | लक्ष्य 8 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति | √ | √ | - | - | - | - | - | - |
| | | | | | | | | |

**टिप्पणी:**

**17.** **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

**18.** एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

## 10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

### क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

| **आतंरिक मूल्यांकन (25%)** | | | | | **सत्रांत परीक्षा (75%)** |
|---|---|---|---|---|---|
| घटक | कक्षा में सतत मूल्यांकन | उपस्थिति | सेमिनार* | सत्रीय-पत्र# | |
| निर्धारित अंक | 05 | 05 | 07 | 08 | |
| **पूर्णांक** | **25** | | | | **75** |

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

## ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

| **आतंरिक मूल्यांकन** (**80**%) | | | **मौखिकी** (**20**%) |
|---|---|---|---|
| घटक | क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण | परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन | |
| निर्धारित अंक प्रतिशत | 30**%** | 50**%** | **20%** |

## 11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

| **क्र. सं.** | **पाठ्य-सामग्री** | **विवरण (APA प्रारूप में)** |
|---|---|---|
| 1 | आधार/पाठ्य ग्रंथ | 1.कुमारसम्भवम् , मल्लिनाथ , चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन , वाराणसी ।<br>2. शिवराजविजयम् , अम्बिकादत्त , हिंदी टीका सहित , डॉ० रमा शंकर मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन , वाराणसी ।<br>3. पञ्चतन्त्र, विष्णु शर्मा , हिंन्दी व्या. डॉ० सुधाकर मालवीय , चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन , वाराणसी ।<br>4. कर्णभारम्, इन्दुकला हिंदी व्याख्या सहित , |

| | | |
|---|---|---|
| | | वैद्यनाथ झा , चौखम्बा संस्कृत सीरिज , वाराणसी । |
| 2 | संदर्भ-ग्रंथ | 1. संस्कृत साहित्य का इतिहास , प्रो० उमाशंकर शर्मा ऋषि , चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी<br>2. भारतीय साहित्यशास्त्र , बलदेव उपाध्याय , चौखम्बा प्रकाशन , वाराणसी । |
| 3 | ई-संसाधन | आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि |
| 4 | अन्य | कक्षागत नोटस् का प्रयोग |

## दशम पत्र

**1.पाठ्यचर्या का नाम:** भारतीय दर्शनम् -II

**(Name of the Course)**

**2.पाठ्यचर्या का कोड:** BSAN 10

**(Code of the Course)**

**3. क्रेडिट: __ 3 __ 4. सेमेस्टर:** पंचम सेमेस्टर

**(Credit) (Semester)**

| घटक | घंटे |
|---|---|
| कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान | 39 |
| ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा | 3+3=6 |
| व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य | ------ |
| कौशल विकास गतिविधियाँ | |
| **कुल क्रेडिट घंटे** | **45** |

**5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :**

प्रस्तुत पाठ्यचर्या भारतीय दर्शन विषय पर आधारित है। यह पाठ्यचर्या सांख्यकारिका, वेदान्तसार, तर्कसंग्रह, पातञ्जलयोगसूत्रम् तथा शैवदर्शन के प्रत्यभिज्ञाहृदयम् ग्रन्थ के सिद्धान्तों का प्रवेशात्मक ज्ञान करवाने में पूर्ण सक्षम है।

**6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :**

पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा ।

- विद्यार्थी वेदान्त दर्शन के प्रकरण ग्रन्थ वेदान्तसार से परिचित होगा और इसके सिद्धान्तों को पाठ के द्वारा व्याख्यायित करने में सक्षम होगा।

- शिक्षार्थी सांख्य दर्शन के प्रकरण ग्रन्थ सांख्यकारिका से परिचित होगा और इसकी कारिकाओं द्वारा विवेचित विषयों को व्याख्यायित करने में सक्षम होगा।
- पाठक योग दर्शन के प्रसिद्ध ग्रन्थ पातञ्जलयोगसूत्र से परिचित होगा और इसके यौगिक विषयों को आत्मसात करने में सक्षम होगा।
- विद्यार्थी वैशेषिक दर्शन के प्रकरण ग्रन्थ तर्कसंग्रह अवगत होगा।
- छात्र शैवदर्शन से परिचित होगा एवं प्रत्यभिज्ञाहृदयम् ग्रन्थ के सूत्रों द्वारा शैवसिद्धान्तों को आत्मसात हेतु प्रवेश करने के लिए सक्षम होगा।

## 7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

| मॉड्यूल संख्या | विवरण | निर्धारित अवधि (घंटे में) | | | कुल घंटे | कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | व्याख्यान | ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं) | संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory) | | |
| अन्विति -1 | **वेदान्तसार** अनुबन्धचतुष्ट, अज्ञान, सूक्ष्मप्रपञ्च, स्थूलप्रपञ्च , लिंगशरीर, पंचीकरण, महावाक्यार्थ, जीवन्मुक्त | 13 | 1 | 1 | 15 | **33.3%** |
| अन्विति -2 | **योगदर्शन** (प्रथम एवं द्वितीय पाद) **सांख्यदर्शन** सांख्यकारिका (01 से 40 कारिका) **न्याय** तर्कसंग्रह (प्रमुख तत्व | 13 | 1 | 1 | 15 | **33.3%** |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | एवं अवधारणा) | | | | | |
| अन्विति -3 | **शैवदर्शन** परिचय एवं प्रमुख अवधारणा , प्रत्यभिज्ञा-हृदयम् (द्रुतपाठ) | 13 | 1 | 1 | 15 | **33.3%** |
| **योग** | | **39** | **3** | **3** | **45** | **100%** |

**टिप्पणी:**

19. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
20. प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

## 8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

## (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

| | |
|---|---|
| **अभिगम** | शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग |
| **विधियाँ** | व्याख्यान विधि , विवेचनात्मक विधि का प्रयोग |
| **तकनीक** | आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पाठशाला द्वारा शिक्षण<br>श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण |
| **उपादान** | कक्षागत नोटस , आलेख, फोटो कोपी इत्यादि |

## 9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :

## (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

**पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)**

| **पाठ्यक्रम लक्ष्य** | लक्ष्य 1 | लक्ष्य 2 | लक्ष्य 3 | लक्ष्य 4 | लक्ष्य 5 | लक्ष्य 6 | लक्ष्य 7 | लक्ष्य 8 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति | √ | √ | √ | - | - | - | - | - |
| | | | | | | | | |

**टिप्पणी:**

**19.** **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

**20.** एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

## 10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

### क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

| **आतंरिक मूल्यांकन (25%)** | | | | | **सत्रांत परीक्षा (75%)** |
|---|---|---|---|---|---|
| घटक | कक्षा में सतत मूल्यांकन | उपस्थिति | सेमिनार* | सत्रीय-पत्र# | |
| निर्धारित अंक | 05 | 05 | 07 | 08 | |
| **पूर्णांक** | **25** | | | | **75** |

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

## ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

| **आतंरिक मूल्यांकन** (**80**%) | | | **मौखिकी** (**20**%) |
|---|---|---|---|
| घटक | क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण | परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन | |
| निर्धारित अंक प्रतिशत | 30**%** | 50**%** | **20%** |

## 11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

## (Textbooks/Reference/Resources)

| **क्र. सं.** | **पाठ्य-सामग्री** | **विवरण (APA प्रारूप में)** |
|---|---|---|
| 1 | आधार/पाठ्य ग्रंथ | 1. वेदान्तसार , वेदान्तसार, सदानन्द , राकेश शास्त्री , परिमल पब्लिकेशन्स , दिल्ली , 2004<br>**2.** सांख्यकारिका , ईश्वरकृष्ण मिश्र (व्याख्याकार) , राकेश शास्त्री, संस्कृत ग्रन्थागार , दिल्ली , 2004<br>**3.** तर्कसंग्रह , गोविन्दाचार्य , चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन , वाराणसी , 2017<br>**4.** पातञ्जलयोगदर्शनम् , पतञ्जलि (व्याख्याकार) , सुरेश चन्द्र श्रीवास्तव , चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन , वाराणसी , 1993<br>5. प्रत्यभिज्ञाहृदयम् , स्वामे जी महाराज , |

| | | |
|---|---|---|
| | | पीताम्बरा पीठ दत्तिया, प्रकाशक , श्री पीताम्बरपीठ संस्कृत परिषद् , दत्तिया , मध्य प्रदेश |
| 2 | संदर्भ-ग्रंथ | 1. भारतीय दर्शन , भारतीय दर्शन की रूपरेखा , प्रो० हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली , 1995<br>2. सर्वदर्शनसंग्रह, माधवाचार्य , प्रो० उमा शङ्कर शर्मा ऋषि , चौखम्बा विद्याभवन , वाराणसी , 1964 |
| 3 | ई-संसाधन | आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि |
| 4 | अन्य | कक्षागत नोटस् का प्रयोग |

## एकादश पत्र

**1.पाठ्यचर्या का नाम:** धर्मशास्त्र एवं पुराणेतिहास - 1

**(Name of the Course)**

**2.पाठ्यचर्या का कोड:** BSAN 11

**(Code of the Course)**

**3. क्रेडिट: __ 2 __ 4. सेमेस्टर:** पंचम सेमेस्टर

**(Credit) (Semester)**

| घटक | घंटे |
|---|---|
| कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान | 24 |
| ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा | 3+3=6 |
| व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य | ------ |
| कौशल विकास गतिविधियाँ | |
| **कुल क्रेडिट घंटे** | **30** |

**5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :**

प्रस्तुत पाठ्यचर्या धर्मशास्त्र एवं पुराणेतिहास विषय पर आधारित है। यह पाठ्यचर्या भारतीय धर्मशास्त्र के प्रसिद्ध ग्रन्थ मनुस्मृति, अर्थशास्त्र एवं महाभारत के सामान्य परिचय से करवाने में पूर्ण सक्षम है।

**6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :**

पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा ।

- विद्यार्थी भारतीय धर्मशास्त्र का सामान्य ज्ञान से परिचित होगा।
- अध्येता संस्कृत धर्मशास्त्र विधा को जानने में सक्षम होगा।
- अध्येता मनुस्मृति को जानने में सक्षम होगा एवं प्रस्तुत पाठ को व्याख्यायित करने में सक्षम होगा।
- अर्थशास्त्र के विषयों को जानने में सक्षम होगा।
- पाठक महाभारत के उद्योग पर्व से शैक्षिक ज्ञान प्राप्त करने में सक्षम होगा।

## 7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

| मॉड्यूल संख्या | विवरण | निर्धारित अवधि (घंटे में) | | | कुल घंटे | कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | व्याख्यान | ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं) | संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory) | | |
| अन्विति -1 | **मनुस्मृति** सप्तम अध्याय | 8 | 1 | 1 | 10 | **33.3%** |
| अन्विति -2 | **अर्थशास्त्र** विद्यासमुद्देश प्रकरण, गूढ़पुरुष प्रकरण | 8 | 1 | 1 | 10 | **33.3%** |
| अन्विति -3 | **महाभारत** उद्योग पर्व (विदुरनीति) 1,2,3 अध्याय | 8 | 1 | 1 | 10 | **33.3%** |
| **योग** | | **24** | **3** | **3** | **30** | **100%** |

**टिप्पणी:**

**21.** माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

**22.** प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

## 8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

## (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

| | |
|---|---|
| **अभिगम** | शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग |
| **विधियाँ** | व्याख्यान विधि , विवेचनात्मक विधि का प्रयोग |
| **तकनीक** | आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पाठशाला द्वारा शिक्षण<br>श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण |
| **उपादान** | कक्षागत नोटस , आलेख, फोटो कोपी इत्यादि |

## 9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :

## (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

**पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)**

| **पाठ्यक्रम लक्ष्य** | लक्ष्य 1 | लक्ष्य 2 | लक्ष्य 3 | लक्ष्य 4 | लक्ष्य 5 | लक्ष्य 6 | लक्ष्य 7 | लक्ष्य 8 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति | √ | √ | √ | - | - | - | - | - |
| | | | | | | | | |

**टिप्पणी:**

**21.** **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

**22.** एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

## 10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

### क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

| आतंरिक मूल्यांकन (25%) | | | | | सत्रांत परीक्षा (75%) |
|---|---|---|---|---|---|
| घटक | कक्षा में सतत मूल्यांकन | उपस्थिति | सेमिनार* | सत्रीय-पत्र# | |
| निर्धारित अंक | 05 | 05 | 07 | 08 | |
| **पूर्णांक** | **25** | | | | **75** |

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

### ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

| आतंरिक मूल्यांकन (80%) | | | मौखिकी (20%) |
|---|---|---|---|
| घटक | क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण | परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन | |
| निर्धारित अंक प्रतिशत | 30**%** | 50**%** | **20%** |

## 11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

## (Textbooks/Reference/Resources)

| क्र. सं. | पाठ्य-सामग्री | विवरण (APA प्रारूप में) |
|---|---|---|
| 1 | आधार/पाठ्य ग्रंथ | 1. मनुस्मृति, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1983<br>2. कौटिल्य अर्थशास्त्र, वाचस्पति गैरोला, सम्पादक ,चौखम्बा विद्या भवन,वाराणसी<br>3. महाभारत, हिंदी अनुवाद सहित 06 vol., गीताप्रेस गोरखपुर , 2000 |
| 2 | संदर्भ-ग्रंथ | 1.संस्कृत साहित्य का इतिहास , प्रो० उमाशंकर शर्मा ऋषि , चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी |
| 3 | ई-संसाधन | आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि |
| 4 | अन्य | कक्षागत नोटस् का प्रयोग |

## षष्ठम सेमेस्टर

## द्वादश पत्र

**1.पाठ्यचर्या का नाम:** वैदिकसाहित्यम् – II

**(Name of the Course)**

**2. पाठ्यचर्या का कोड:** BSAN 12

**(Code of the Course)**

**3. क्रेडिट: __ 4 __ 4. सेमेस्टर:** षष्ठ सेमेस्टर

**(Credit) (Semester)**

| घटक | घंटे |
|---|---|
| कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान | 30 |
| ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा | 6+4=10 |
| व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य | ------ |
| कौशल विकास गतिविधियाँ | |
| **कुल क्रेडिट घंटे** | 60 |

**5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :**

प्रस्तुत पाठ्यचर्या वैदिक साहित्य विषय पर आधारित है। यह पाठ्यचर्या वैदिक आख्यान, संवाद एवं ईशोपनीषद् और कठोपनिषद् के सारगर्भित विषयों का ज्ञान करवाने में पूर्ण सक्षम है।

**6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :**

पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा ।

- विद्यार्थी वैदिक आख्यानों को जानने में सक्षम होगा ।
- अध्येता वैदिक संवाद विधा को जानने में सक्षम होगा एवं उनमें प्रस्तुत विषय को व्याख्यायित करने में सक्षम होगा।
- विद्यार्थी उपनिषदों से परिचित होगा एवं उनके शैक्षिक महत्त्व को समझने में सक्षम होगा।

**7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)**

| मॉड्यूल संख्या | विवरण | निर्धारित अवधि (घंटे में) | | | कुल घंटे | कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | व्याख्यान | ट्यूटोरियल (यदि | संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ | | |

| | | | अपेक्षित हैं) | Training/ Laboratory) | | **(Percentage share to the Course)** |
|---|---|---|---|---|---|---|
| **अन्विति -1** | **वैदिक संवाद एवं आख्यान** पुरुरवा-उर्वशी संवाद, यम-यमी संवाद, सरमा-पणि संवाद, शुन: शेप आख्यान, वाड्.मनस आख्यान का विवेचन | 15 | 3 | 2 | 30 | **50%** |
| **अन्विति -2** | **उपनिषद्** अर्थ एवं प्रमुख विषयवस्तु, ईशोपनिषद् , कठोपनिषद् (सम्पूर्ण) | 15 | 3 | 2 | 30 | **50%** |
| **योग** | | **30** | **6** | **4** | **60** | **100%** |

**टिप्पणी:**

**23.** माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

**24.** प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

## 8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

## (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

| | |
|---|---|
| **अभिगम** | शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम**,** कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग |

| | |
|---|---|
| **विधियाँ** | व्याख्यान विधि , विवेचनात्मक विधि का प्रयोग |
| **तकनीक** | आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पाठशाला द्वारा शिक्षण<br>श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण |
| **उपादान** | कक्षागत नोटस , आलेख, फोटो कोपी इत्यादि |

## 9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :

## (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

**पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)**

| **पाठ्यक्रम लक्ष्य** | लक्ष्य 1 | लक्ष्य 2 | लक्ष्य 3 | लक्ष्य 4 | लक्ष्य 5 | लक्ष्य 6 | लक्ष्य 7 | लक्ष्य 8 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति | √ | √ | - | - | - | - | - | - |
| | | | | | | | | |

**टिप्पणी:**

**23.** **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

**24.** एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

## 10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

### क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

| **आतंरिक मूल्यांकन (25%)** | | | | | **सत्रांत परीक्षा (75%)** |
|---|---|---|---|---|---|
| घटक | कक्षा में सतत मूल्यांकन | उपस्थिति | सेमिनार* | सत्रीय- | |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | पत्र# | |
| निर्धारित अंक | 05 | 05 | 07 | 08 | |
| **पूर्णांक** | **25** | | | | **75** |

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

**ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन**

| **आतंरिक मूल्यांकन** (**80**%) | | | **मौखिकी** (**20**%) |
|---|---|---|---|
| घटक | क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण | परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन | |
| निर्धारित अंक प्रतिशत | 30**%** | 50**%** | **20%** |

## 11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

## (Textbooks/Reference/Resources)

| **क्र. सं.** | **पाठ्य-सामग्री** | **विवरण (APA प्रारूप में)** |
|---|---|---|
| 1 | आधार/पाठ्य ग्रंथ | **1.** वैदिक सूक्त मञ्जरी , रघुवीर वेदालङ्कार , चौखम्बा ओरियण्टालिया , दिल्ली, 2009<br>2. ऋग्सूक्त सन्दर्शिका , डॉ० बालगोविन्द झा , चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन , वारणसी , 2005<br>3. ईशादि नौपनिषद् , शङ्कराचार्य भाष्यार्थ सहित , गीताप्रेस गोरखपुर |

| | | |
|---|---|---|
| 2 | संदर्भ-ग्रंथ | 1. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति , कपिल देव द्विवेदी , विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी , 2008 |
| 3 | ई-संसाधन | आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि |
| 4 | अन्य | कक्षागत नोटस् का प्रयोग |

## त्रयोदश पत्र

**25. पाठ्यचर्या का नाम:** संस्कृत साहित्यम् – III

**(Name of the Course)**

**26. पाठ्यचर्या का कोड:** BSAN 13

**(Code of the Course)**

**3. क्रेडिट: __ 3 __ 4. सेमेस्टर: :** षष्ठ सेमेस्टर

**(Credit) (Semester)**

| घटक | घंटे |
|---|---|
| कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान | 39 |
| ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा | 3+3=6 |
| व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य | ------ |
| कौशल विकास गतिविधियाँ | |
| **कुल क्रेडिट घंटे** | **45** |

**5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :**

प्रस्तुत पाठ्यचर्या संस्कृत साहित्य विषय पर आधारित है। यह पाठ्यचर्या किरातार्जुनीयम्, उत्तररामचरितम् एवं मेघदूतम् के प्रमुख तत्त्वों का ज्ञान करवाने में पूर्ण सक्षम है।

**6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :**

पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा ।

- विद्यार्थी किरातार्जुनीयम् के प्रथम सर्ग के प्रमुख तत्त्वों को जानने में सक्षम होगा एवं प्रस्तुत पाठ को व्याख्यायित करने में सक्षम होगा।
- विद्यार्थी उत्तररामचरितम् के तृतीय अंक के प्रमुख तत्त्वों को जानने में सक्षम होगा एवं प्रस्तुत पाठ को व्याख्यायित करने में सक्षम होगा।
- विद्यार्थी मेघदूतम् के पूर्वमेघ में वर्णित प्रमुख तत्त्वों को जानने में सक्षम होगा एवं प्रस्तुत पाठ को व्याख्यायित करने में सक्षम होगा।

## 7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

| मॉड्यूल संख्या | विवरण | निर्धारित अवधि (घंटे में) | | | कुल घंटे | कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | व्याख्यान | ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं) | संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory) | | |
| अन्विति -1 | किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) | 15 | 1 | 1 | 17 | **33.3%** |
| अन्विति -2 | उत्तरराम चरितम् तृतीय अंक | 11 | 1 | 1 | 13 | **33.3%** |
| अन्विति -3 | मेघदूतम् पूर्व मेघ | 13 | 1 | 1 | 15 | **33.3%** |
| **योग** | | **39** | **3** | **3** | **45** | **100%** |

**टिप्पणी:**

**25.** माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

**26.** प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

## 8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

## (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

| | |
|---|---|
| **अभिगम** | शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग |
| **विधियाँ** | व्याख्यान विधि , विवेचनात्मक विधि का प्रयोग |
| **तकनीक** | आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पाठशाला द्वारा शिक्षण<br>श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण |

| उपादान | कक्षागत नोटस , आलेख, फोटो कोपी इत्यादि |
|---|---|

## 9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :

## (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

**पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)**

| **पाठ्यक्रम लक्ष्य** | लक्ष्य 1 | लक्ष्य 2 | लक्ष्य 3 | लक्ष्य 4 | लक्ष्य 5 | लक्ष्य 6 | लक्ष्य 7 | लक्ष्य 8 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति | √ | √ | - | - | - | - | - | - |
| | | | | | | | | |

**टिप्पणी:**

**27.** **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

**28.** एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

## 10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

### क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

| **आतंरिक मूल्यांकन (25%)** | | | | | **सत्रांत परीक्षा (75%)** |
|---|---|---|---|---|---|
| घटक | कक्षा में सतत मूल्यांकन | उपस्थिति | सेमिनार* | सत्रीय-पत्र# | |
| निर्धारित अंक | 05 | 05 | 07 | 08 | |
| **पूर्णांक** | **25** | | | | **75** |

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

# विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

**ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन**

| **आतंरिक मूल्यांकन** (**80**%) | | | **मौखिकी** (**20**%) |
|---|---|---|---|
| घटक | क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण | परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन | |
| निर्धारित अंक प्रतिशत | 30**%** | 50**%** | **20%** |

## 11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

## (Textbooks/Reference/Resources)

| **क्र. सं.** | **पाठ्य-सामग्री** | **विवरण (APA प्रारूप में)** |
|---|---|---|
| 1 | आधार/पाठ्य ग्रंथ | 1. किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) , मल्लिनाथ , चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन , वाराणसी ।<br>2. उत्तररामचरितम् , उत्तररामचरितम् , रामाधार शर्मा , भारतीय विद्याभवन प्रकाशन , दिल्ली , 2005<br>3. मेघदूतम्, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी ।<br>4. रत्नावली नाटिका , आचार्य रामचंद्र मिश्र चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी । |
| 2 | संदर्भ-ग्रंथ | 1. संस्कृत साहित्य का इतिहास , प्रो० उमाशंकर शर्मा ऋषि , चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी |

| | | |
|---|---|---|
| | | 2. भारतीय साहित्यशास्त्र , बलदेव उपाध्याय , चौखम्बा प्रकाशन , वाराणसी । |
| 3 | ई-संसाधन | आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि |
| 4 | अन्य | कक्षागत नोटस् का प्रयोग |

## चतुर्दश पत्र

**29. पाठ्यचर्या का नाम:** धर्मशास्त्र एवं पुराणेतिहास – II

**(Name of the Course)**

**30. पाठ्यचर्या का कोड:** BSAN 14

**(Code of the Course)**

**3. क्रेडिट: __ 2 __ 4. सेमेस्टर:** षष्ठ सेमेस्टर

**(Credit) (Semester)**

| घटक | घंटे |
|---|---|
| कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान | 24 |
| ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा | 4+2=6 |
| व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य | ------ |
| कौशल विकास गतिविधियाँ | |
| **कुल क्रेडिट घंटे** | **30** |

**5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :**

प्रस्तुत पाठ्यचर्या धर्मशास्त्र एवं पुराणेतिहास विषय पर आधारित है। यह पाठ्यचर्या भारतीय धर्मशास्त्र के प्रसिद्ध ग्रन्थ मनुस्मृति, शुक्रनीति, चाणक्य नीति एवं पुराण साहित्य का सामान्य परिचय करवाने में पूर्ण सक्षम है।

**6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :**

पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा ।

- विद्यार्थी धर्मशास्त्र एवं पुराणेतिहास का सामान्य ज्ञान से परिचित होगा ।
- अध्येता मनुस्मृति के प्रमुख तत्त्वों को जानने में सक्षम होगा ।
- अध्येता चाणक्य नीति एवं शुक्रनीति के प्रमुख तत्त्वों को जानने में सक्षम होगा एवं प्रस्तुत पुराण साहित्य पाठ को व्याख्यायित करने में सक्षम होगा ।

**7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)**

| मॉड्यूल संख्या | विवरण | निर्धारित अवधि (घंटे में) | | | | कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | व्याख्यान | ट्यूटोरिय | संवाद/प्रशिक्षण/ | | |

| | | | ल (यदि अपेक्षित हैं) | प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory) | कुल घंटे | अंश (Percentage share to the Course) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| अन्विति -1 | शुक्रनीति मनुस्मृति 01,02 अध्याय | 12 | 2 | 1 | 15 | **50%** |
| अन्विति -2 | चाणक्य नीति (द्रुतपाठ) पुराण परिचय | 12 | 2 | 1 | 15 | **50%** |
| **योग** | | **24** | **4** | **2** | **30** | **100%** |

**टिप्पणी:**

27. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
28. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

## 8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

## (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

| | |
|---|---|
| **अभिगम** | शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग |
| **विधियाँ** | व्याख्यान विधि , विवेचनात्मक विधि का प्रयोग |
| **तकनीक** | आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पाठशाला द्वारा शिक्षण<br>श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण |
| **उपादान** | कक्षागत नोटस , आलेख, फोटो कोपी इत्यादि |

## 9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :

## (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

**पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)**

| **पाठ्यक्रम लक्ष्य** | लक्ष्य 1 | लक्ष्य 2 | लक्ष्य 3 | लक्ष्य 4 | लक्ष्य 5 | लक्ष्य 6 | लक्ष्य 7 | लक्ष्य 8 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति | √ | √ | - | - | - | - | - | - |
| | | | | | | | | |

**टिप्पणी:**

**31.** **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

**32.** एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

## 10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

### क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

| **आतंरिक मूल्यांकन (25%)** | | | | | **सत्रांत परीक्षा (75%)** |
|---|---|---|---|---|---|
| घटक | कक्षा में सतत मूल्यांकन | उपस्थिति | सेमिनार* | सत्रीय-पत्र# | |
| निर्धारित अंक | 05 | 05 | 07 | 08 | |
| **पूर्णांक** | **25** | | | | **75** |

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

### ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

| आतंरिक मूल्यांकन (80%) | | | मौखिकी (20%) |
|---|---|---|---|
| घटक | क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण | परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन | |
| निर्धारित अंक प्रतिशत | 30% | 50% | **20%** |

## 11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

## (Textbooks/Reference/Resources)

| क्र. सं. | पाठ्य-सामग्री | विवरण (APA प्रारूप में) |
|---|---|---|
| 1 | आधार/पाठ्य ग्रंथ | 1. शुक्रनीति,डॉ. जगदीश चन्द्र मिश्र ,चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी<br>2. मनुस्मृति, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली , 1983<br>3. चाणक्यनीति, ओम बुक्स इंटरनेशनल , 2016<br>4. पुराण-विमर्श , बलदेव उपाध्याय , चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी |
| 2 | संदर्भ-ग्रंथ | 1.संस्कृत साहित्य का इतिहास , प्रो० उमाशंकर शर्मा ऋषि , चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी |
| 3 | ई-संसाधन | आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि |
| 4 | अन्य | कक्षागत नोटस् का प्रयोग |

**(विभागाध्यक्ष/निदेशक)**

**(संकायाध्यक्ष)**